Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J – 7309

Time : 1¼ hours]

PAPER – II

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

[Maximum Marks : 100

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ⬬ (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ⬬ (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

संस्कृत-परम्परागत-विषयः

संस्कृत परम्परागत विषय

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम् – II

प्रश्नपत्र – II

PAPER – II

सूचना : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत्** (50) बहुविकल्पीयप्रश्नाः सन्ति। तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम्। **सर्वे** प्रश्नाः उत्तरणीयाः।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

1. भाग्यस्थानं वर्तते –

भाग्यस्थान है –

भाग्यस्थान represents -

(A) पञ्चमभावः (B) सप्तमभावः

(C) दशमभावः (D) नवमभावः

2. चन्द्रः नीचस्थो भवति –

चन्द्र नीच का होता है –

चन्द्र becomes नीचस्थ

(A) वृश्चिक राशौ (B) धनु राशौ

(C) मिथुन राशौ (D) मकर राशौ

3. काकिणी विचारः क्रियते –

काकिणी विचार किया जाता है –

काकिणीविचार is done

(A) हस्त मेलापके
(B) गृह निर्माणे
(C) द्विरागमने
(D) विदेशगमने

4. उत्तरगोलः भवति –

उत्तरगोल होता है –

उत्तरगोल results from -

(A) मेषात्
(B) वृषभात्
(C) मिथुनात्
(D) कर्कात्

5. बृहत्संहितायाः कर्त्ता अस्ति –

बृहत्संहिता का कर्ता है –

The author of बृहत्संहिता is -

(A) भास्कराचार्यः
(B) गणेशदैवज्ञः
(C) नीलकण्ठः
(D) वराहमिहिरः

6. द्वय भानुभोगात् भवति –

दो सूर्यों के भोग से होती है –

The result from the भोग of two suns is -

(A) मासः
(B) पक्षः
(C) ऋतुः
(D) वर्षः

7. वैषयिकाधारस्योदाहरणं भवति –

वैषयिकाधार का उदाहरण है –

An example of वैषयिक आधार is -

(A) वने व्याघ्रः।

(B) मोक्षे इच्छास्ति।

(C) तिलेषु तैलम् ।

(D) गङ्गयां घोषः।

8. समाहारद्वन्द्वस्योदाहरणं भवति –

समाहारद्वन्द्व का उदाहरण है –

An example of समाहारद्वन्द्व is -

(A) द्वित्राः ।

(B) राजपुरुषः।

(C) हस्तपादम्

(D) रामश्यामौ।

9. 'तव+लृकारः'-इत्यत्र सन्धौ रुपाणि भवन्ति –

'तव+लृकार'- इस सन्धि के रूप होते हैं –

Here in सन्धि the number of forms will be -

(A) षट्।

(B) त्रीणि ।

(C) पञ्च।

(D) चत्वारि।

10. अधोलिखितेषु परिभाषासूत्रं भवति –

निम्नलिखित सूत्रों में परिभाषासूत्र है –

In the following the परिभाषासूत्र is -

(A) आद्यन्तौ टकितौ।

(B) अदेङ् गुणः।

(C) इको यणचि।

(D) न वेति विभाषा।

11. मीमांसादर्शनस्य अध्याया: सन्ति –

मीमांसादर्शन के अध्याय हैं –

Chapters of मीमांसादर्शन are -

(A) दश (B) चत्वार:

(C) द्वादश (D) पञ्च

12. शास्त्रदीपिकाया: कर्ता अस्ति –

शास्त्रदीपिका के लेखक हैं –

The author of the शास्त्रदीपिका is -

(A) कुमारिलभट्ट: (B) पार्थसारथिमिश्र:

(C) रामानुज: (D) शालिकनाथ:

13. अन्विताभिधानवादस्य पुरस्कर्ता अस्ति –

अन्विताभिधानवाद के पुरस्कर्ता हैं –

अन्विताभिधानवाद is accepted by -

(A) कुमारिलभट्ट: (B) गौतम:

(C) मुरारिमिश्र: (D) प्रभाकर:

14. नव्यन्यायमतानुसारं द्रव्याणि सन्ति –

नव्यन्यायमन के अनुसार द्रव्य हैं –

The number of substances, as per नव्यन्याय is -

(A) सप्त (B) अष्टौ

(C) नव (D) दश

15. तर्कसङ्ग्रहस्य कर्ता अस्ति –

तर्कसङ्ग्रह के लेखक हैं –

The author of the तर्कसङ्ग्रह is -

(A) केशवमिश्रः (B) अन्नंभट्टः

(C) गङ्गेशः (D) कणादः

16. नव्यन्यायानुसारं ज्ञानाधिकरणम् अस्ति –

नव्यन्याय के अनुसार 'ज्ञान' का आधार है –

The substratum of knowledge as per नव्यन्याय is -

(A) आत्मा (B) मनः

(C) शरीरम् (D) इन्द्रियम्

17. सांख्यमते मूलप्रकृतिः –

सांख्यमत में मूलप्रकृति है –

According to Sānkhyaमूलप्रकृति is -

(A) विकृतिः (B) अविकृतिः

(C) प्रकृतिविकृतिः (D) न प्रकृतिः न विकृतिः

18. सांख्यमते कार्यम् –

सांख्यमत में कार्य है –

According to Sānkhya कार्यम् is -

(A) असत् (B) सदसत्

(C) सत् (D) शून्यम्

19. सांख्यमते मानुषक: सर्ग: –

सांख्यमत में मानुषक सर्ग है –

According to Sānkhya मानुषक creation is -

(A) नानाविध: (B) त्रिविध:

(C) चतुर्विध: (D) एकविध:

20. योगमते प्रमाणानि –

योगमत में प्रमाण हैं।

According to yoga, Pramānas are -

(A) प्रत्यक्षागमोपमानानि (B) प्रत्यक्षोपमानर्थापत्तय:

(C) प्रत्यक्षानुमानागमा: (D) प्रत्यक्षानुमानानुपलब्धय:

21. योगमते प्रणव: –

योगमत में प्रणव है –

According to Yoga, प्रणव is -

(A) योगस्य वाचक: (B) ईश्वरस्य वाचक:

(C) वैराग्यस्य वाचक: (D) जपवाचक:

22. अस्मिता नाम –

अस्मिता है –

अस्मिता is -

(A) दर्शनस्यैकात्मता (B) दृच्छक्तेरेकात्मता

(C) दृग्दर्शनशक्त्योरेकात्मता (D) दृष्टिदोष:

23. भूतचैतन्यवादस्य पुरस्कर्ता अस्ति –

भूतचैतन्यवाद के पुरस्कर्ता हैं –

भूतचैतन्यवाद is admitted by -

(A) मीमांसकः।
(B) जैनः।
(C) नैयाचिकः।
(D) चार्वाकः।

24. बौद्धमते प्रत्यक्षस्य विषयो भवति –

बौद्धमत के अनुसार प्रत्यक्ष का विषय है –

In the Bauddha view, the object of प्रत्यक्ष is -

(A) सामान्यलक्षणम्।
(B) स्वलक्षणम्।
(C) नाम।
(D) जातिः।

25. विवर्तवादः स्वीक्रियते –

विवर्तवाद का पुरस्कार किया गया है –

The doctrine of विवर्त is admitted -

(A) सांख्ये।
(B) मीमांसायाम्
(C) वैशेषिके।
(D) अद्वैतवेदान्ते।

26. शुक्लयजुर्वेदस्य शतपथब्राह्मणे कति अध्याया : सन्ति ?

शुक्लयजुर्वेद के शतपथब्राह्मण में कितने अध्याय है ?

How may अध्यायs are there in the शतपथब्राह्मण of शुक्लयजुर्वेद ?

(A) शतम्
(B) पञ्चाशत्
(C) द्वाविंशति
(D) नव

27. काण्वसंहितायाः कः भाष्यकारः ?

काण्वसंहिता के भाष्यकार कौन है ?

Who is the भाष्यकार of काण्वसंहिता ?

(A) भवस्वामी (B) भट्टभास्करः

(C) हलायुधः (D) महीधरः

28. ''हिरण्यबाहुः''– इत्यस्य कोऽर्थः ?

''हिरण्यबाहुः''–इसका क्या अर्थ है ?

''हिरण्यबाहुः''–What is its meaning ?

(A) इन्द्रः (B) शिवः

(C) यमः (D) दिक्पालः

29. मध्वाचार्यमते जीवब्रह्मणो –

मध्वाचार्य के मत में जीव और ब्रह्म का है –

According to Madhavacarya Jiva and Brahman have -

(A) अभेदः (B) भेदः

(C) भेदाभेदः (D) अभावः

30. मध्वाचार्यमते आगमानां :

मध्वाचार्य के मत में आगमों का है :

According to Madhvacarya Agamas have :

(A) आनर्थक्यम् (B) नानार्थत्वम्

(C) अपौरुषेयत्वम् (D) अच्छेद्यत्वम्

31. मध्वाचार्यमते नारायण –

मध्वाचार्य के मत में नारायण है –

According to Madhvacarya Narayana is -

(A) अधमः
(B) मध्यमः
(C) उत्तमः
(D) सर्वोत्तमः

32. जन्मस्वत्ववादः केन प्रतिपादितः ?

जन्मस्वत्ववाद का प्रतिपादन किसने किया ?

जन्मस्वत्ववाद is expounded -

(A) विज्ञानेश्वरेण
(B) नन्दपण्डितेन
(C) जीमूतवाहनेन
(D) कमलाकरेण

33. मनुमते सुरा कतिविधा ?

मनुमत में सुरा कितने प्रकार की है ?

According to मनु सुरा is -

(A) पञ्चविधा
(B) त्रिविधा
(C) नवविधा
(D) षड्विधा

34. गौतममते कति संस्काराः ?

गौतममत में कितने संस्कार है ?

How many are the संस्कारs according to Gautama?

(A) षोड़श
(B) नव
(C) चत्वारिंशत्
(D) विंशतिः

35. स्मार्त्तधर्मः कतिविध– ?

स्मार्त्तधर्म है –

स्मार्त्तधर्म is -

(A) पञ्चविधः
(B) षज्विधः
(C) नवविधः
(D) चतुर्विधः

36. शब्दार्थौ सहितौ काव्यमिति काव्यलक्षणमस्ति –

शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्–यह काव्यलक्षण है –

शब्दार्थौ सहितौ काव्यम् is the काव्यलक्षण –

(A) भामहस्य
(B) विश्वनाथस्य
(C) कुन्तकस्य
(D) दण्ड्नः

37. उपादानलक्षणायाः उदाहरणमस्ति –

उपादानलक्षणा का उदाहरण है –

The example of उपादान लक्षणा is -

(A) गामानय
(B) कुन्ताः प्रविशन्ति
(C) गौर्वाहिकः
(D) गङ्गायां घोषः

38. किरातार्जुनीयस्य कर्त्ता अस्ति –

किरातार्जुनीय के कर्त्ता हैं –

The author of किरातार्जुनीय is -

(A) माघः
(B) भामहः
(C) श्रीहर्षः
(D) भारविः

39. यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः-इत्युक्तिः लभ्यते -

यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः-यह उक्ति मिलती है -

यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः is found -

(A) नैषधे (B) किरातार्जुनीये

(C) अभिज्ञानशाकुन्तले (D) मालविकाग्निमित्रे

40. दशमस्कंधः अस्ति -

दशम स्कंध है -

The tenth स्कंध is found -

(A) महाभारते (B) रामायणे

(C) श्रीमद्भाग्वते (D) विष्णुपुराणे

41. अधोलिखितेषु शुद्धं भवति -

निम्नलिखित में सही है -

Correct among the following is -

(A) पुराणं सप्तलक्षणम् (B) पुराणं पञ्चलक्षणम्

(C) पुराणं दशलक्षणम् (D) पुराणमष्टादशलक्षणम्

42. शिवपुराणे मुख्य रुपेण वर्णनम् अस्ति -

शिव पुराण में मुख्य रुप से वर्णन है -

IN शिव पुराण we have mainly the description -

(A) रामस्य (B) विष्णोः

(C) देव्याः (D) शिवस्य

43. उपपुराणम् अस्ति –

उपपुराण है –

In the following, an उपपुराण is -

(A) शिवपुराणम्
(B) वायुपुराणम्
(C) कालिकापुराणम्
(D) गरुडपुराणम्

44. पाशुपतमतं निरूपितं वर्तते –

पाशुपत मत का निरूपण किया गया है –

पाशुपत मत is discussed -

(A) वैष्णवागमे
(B) शैवागमे
(C) शक्त्यागमे
(D) जैनागमे

45. प्रत्याभिज्ञा स्वरुपं निरूपितं वर्तते –

प्रत्याभिज्ञा स्वरुप निरूपित किया गया है –

The nature of प्रत्याभिज्ञा is expounded -

(A) शैवागमे
(B) जैनागमे
(C) शक्त्यागमे
(D) वैष्णवागमे

46. तन्त्रालोकस्य कर्त्ता अस्ति –

तंत्रालोक के कर्ता हैं –

The author of तंत्रालोक is -

(A) गौतमः
(B) कणादः
(C) पुलस्त्यः
(D) अभिनव गुप्तः

47. अद्वैतवेदान्तमते सत्यं –

अद्वैत वेदान्त मत में सत्य है –

According to Advaitavedanta सत्य is -

(A) जीव एव (B) ब्रह्मैव

(C) जगदेव (D) स्वर्ग एव

48. अद्वैतवेदान्तमते जीवब्रह्मणो –

अद्वैतवेदान्त मत में जीव और ब्रह्म का है –

According to Advaitavedanta Jiva and Brahman have -

(A) अभेदः (B) भेदः

(C) असत्त्वम् (D) अभावः

49. अद्वैतवेदान्तमते निरस्यते –

अद्वैतवेदान्त मत में निरस्न होता है –

Advaitavedantins discard -

(A) जगन्मिथ्यात्ववादः (B) प्रस्थानत्रयम्

(C) प्रधानकारणवादः (D) प्रमाणषट्कवादः

50. अद्वैतवेदान्तमते मोक्षः –

अद्वैतवेदान्त मत में मोक्ष है –

According to Advaitavedanta मोक्ष is -

(A) असिद्धः (B) अनवाप्यः

(C) सिद्धः (D) उत्पाद्यः

- o O o -

Space For Rough Work